# चार शहरों में नए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

## छोटे शहरों को भी सॉफ्टवेयर हब बनाने पर राज्य सरकार का फोकस

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। सॉफ्टवेयर सेक्टर में यूपी का रुतबा और मजबूत होगा। इसके लिए केंद्र के सहयोग से प्रदेश सरकार चार और शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना को मूर्त रूप देने में लगी है। छोटे शहरों में सॉफ्टवेयर पार्क खोलने का मकसद एक तरफ अपने ही शहर में हाईटेक युवाओं को रोजगार मुहैया कराना है तो दूसरी तरफ सॉफ्टवेयर निर्यात में तेजी लाना भी है।

वर्तमान में कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, नोएडा और मेरठ में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क हैं। केंद्र और राज्य की संयुक्त पहल के तहत आगरा, बरेली, गोरखपुर और वाराणसी में भी नए सॉफ्टवेयर पार्क स्थापित करने की मंजूरी मिली है। फिजिबिलिटी रिपोर्ट में भी ये सभी शहर पास हो गए। काम में तेजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि, आगरा सॉफ्टवेयर पार्क अगस्त में शुरू हो जाएगा।

### आगरा, बरेली, गोरखपुर और वाराणसी में नए साफ्टवेयर पार्क

**सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को अपने घर में ही अच्छा रोजगार देने की कवायद**

### सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्कों से 5000 को रोजगार

वर्तमान में चल रहे सॉफ्टवेयर पार्कों में 400 इकाइयां कार्यरत हैं। नए सॉफ्टवेयर पार्कों में करीब 200 इकाइयां आने का अनुमान है। प्रत्येक पार्क में न्यूनतम 1200 से 1300 सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स को रोजगार मिलेगा। चुने गए शहरों में पहले चरण में 20-20 हजार वर्गफुट की इमारतों का निर्माण कराया जाएगा। आगरा में पार्क लगभग तैयार है। वाराणसी को छोड़कर बरेली और गोरखपुर में तेजी से काम हो रहा है। फिर मांग के अनुसार उसमें वृद्धि की जाएगी। फिलहाल चारों पार्कों में करीब 80 करोड़ रुपये का बजट निर्माण के लिए रखा गया है।

छोटे शहरों के सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स के पास सीमित अवसर होते हैं इसीलिए अपना घर छोड़कर दूसरी जगह नौकरी करना उनकी मजबूरी है। छोटे शहरों में सॉफ्टवेयर पार्कों की स्थापना का एक मकसद ये भी है कि हर जिले में कंप्यूटर दक्ष युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खोले जा सकें। दूसरी तरफ सॉफ्टवेयर के निर्यात में यूपी में सालाना 12 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ है जो बढ़कर 20 फीसदी हो सकता है।

### सॉफ्टवेयर निर्यात में लगातार बढ़ रहा यूपी

- वर्ष 2020-21 में 28 हजार करोड़ के सॉफ्टवेयर का निर्यात हुआ। इसी तरह 2021-22 में 31 हजार करोड़ और वर्ष 2022-23 में 34 हजार करोड़ के सॉफ्टवेयर का निर्यात हुआ।

यूपी के चार नए शहरों आगरा, बरेली, गोरखपुर और वाराणसी में नए सॉफ्टवेयर पार्क के निर्माण पर काम शुरू हो गया है। आगरा में लगभग तैयार है। बरेली और गोरखपुर में काम शुरू हो चुका है। वाराणसी में एसटीपीआई प्राथमिक चरण में है। इन पार्कों की स्थापना से छोटे शहरों में ही प्रोफेशनल्स को रोजगार के रास्ते खुलेंगे। **-डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी,** अपर निदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया